कृषि विज्ञान केन्द्र, बरेली द्वारा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के किसानों के साथ संवाद तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अवमुक्तन का सीधा प्रसारण

कृषि विज्ञान केन्द्र, भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली द्वारा आज दिनाँक 25.12.2020 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के किसानों के साथ सीधे संवाद का सीधा प्रसारण दिखाया गया। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में

माननीय प्रधानमंत्री जी ने अपने कार्यकाल में कृषक हितों में कराये जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुये बताया कि उनकी सरकार द्वारा विशेषरूप से यह प्रयास किया जा रहा है कि आम गरीब किसान की समस्याओं का समाधान हो सके तथा कृषि सुधारों से उसे अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

उन्होंने सरकार द्वारा लाये गये तीनों किसान बिलों को किसान हित में बताते हुये एक आम किसान को उनसे होने वाले लाभों के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि न तो एमएसपी बंद होने जा रही है और न ही मंडियाँ बन्द होंगी, किसानों के उनकी भूमि के स्वामित्व पर किसी भी प्रकार से आँच नहीं आने वाली है क्योंकि इस बिल में इसके संरक्षण कि व्यवस्था की गयी है। इससे पूर्व प्रधानमंत्री ने नौ करोड़ से अधिक किसान परिवारों के बैंक खातों में अठारह करोड़ से अधिक की धनराशि हस्तांतरित की।

किसानों से संवाद में माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लाभान्वित किसानों से उनके द्वारा इस धनराशि के उपयोग के बारे में पूछने पर किसानों ने अवगत कराया कि इस निधि का सदुपयोग वे बीज, उर्वरक तथा कृषि रसायन आदि की खरीद के लिये करते हैं। किसानों ने यह भी बताया कि कोविड-19 बीमारी के कारण हुये लॉकडाउन में किसान सम्मान निधि उनके बहुत कम आयी जब कोई कार्य या बिक्री न हो सकने के कारण उनके पास धन का अभाव था ऐसे में यह राशि खेती-बाड़ी के सामयिक कार्यों में उपयोग करने से फसल उत्पादन एवं पशुपालन में कोई विशेष समस्या नहीं आयी। एक किसान ने यह भी बताया कि उनके एफपीओ में 300 से अधिक सदस्य हैं जिनके सहयोग से कानट्रैक्ट फ़ार्मिंग करते हैं उन्होंने खेत से ही अपने उत्पाद को 25 रुपये प्रति किलो कि दर से बेचा जबकि पूर्व में भाड़ा आदि देने के बाद वह मंडी में 15 से 20 रुपये में बिकती थी। कार्यक्रम को किसानों को सीधे दिखाने कि व्यवस्था कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रशिक्षण कक्ष में कि गयी जिसमें 122 कृषकों तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के 12 अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने देखा।